SRMS Trust Bulletin

आराधना

Dec. 2021

- रामम्मूर्ति जी ने जलाई देश भक्ति की मशाल – PAGE 03
- रंगमंच को समर्पित हुआ रिद्धिमा का मंच – PAGE 10
- विश्व एड्स दिवस पर किया जागरूक - PAGE 12
- ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'हिन्दोस्तां हमारा'- PAGE 14
- SRMS में निशुल्क कोक्लियर इम्पलांट सर्जरी – PAGE 16
- रेडियोथैरेपी स्टेट चैप्टर में दो गोल्ड सहित 4 मेडल - PAGE 18

ACHIEVEMENTS OF YEAR 2021 - PAGE 04

2021

नित नये आयाम...

2021 में कम नहीं रहीं उपलब्धियां

कोविड महामारी की वजह से वर्ष 2021 को कोई भी याद नहीं रखना चाहेगा। यह सच है कोविड की भयावहता इस वर्ष लोगों ने झेली। इस महामारी के चलते अपने आसपास अनगिनत लोगों को मजबूर होते, टूटते और बिखरते देखा। ऐसी ही परिस्थितियों का गवाह एसआरएमएस भी रहा। महामारी को एसआरएमएस मेडिकल कालेज में बेहद करीब से देखा गया। डाक्टरों के साथ नर्सिंग, पैरामेडिकल, टेक्नीशियन सहित अन्य सभी लोगों ने सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए मरीजों की सेवा की। इसी बदौलत ढाई हजार से ज्यादा मरीज यहां से स्वस्थ होकर अपने घरों को वापस हुए। इस एक महामारी से लड़ते हुए भी एसआरएमएस ट्रस्ट और इससे संबंधित संस्थानों ने उपलब्धियों को हासिल किया। इसी वर्ष एसआरएमएस मेडिकल कालेज को कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी के पैनल में शामिल किया गया। किडनी ट्रांसप्लांट की अनुमति हासिल हुई। इसके साथ ही मेडिकल कालेज में यूजी सीटों की संख्या बढ़ कर 150 करने की संस्तुति सरकार ने प्रदान की। और भी कई अन्य उपलब्धियां हासिल हुई। जो आप अगले पृष्ठों पर पढ़ेंगे। इसकी वजह विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक सोच के साथ हौसला बनाए रखना ही तो है।

जय हिंद

अमृत कलश

''जिंदगी की किताब में, धैर्य के कवर का होना बहुत जरुरी है, क्योंकि बांध के रखता हैं वो हर पृष्ठ का।''

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Shivam Sharma	-	Correspondent
Rishabh Tiwari	-	Correspondent
Indu Dixit	-	Photographer
Dharmedra Kumar	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

जुल्म सह कर भी जलाई देशभक्ति की मशाल

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. श्री राम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

बचपन से ही राम मूर्ति जी को अंग्रेजों के अत्याचारों की बातें सुनने को मिलती थीं। जैसे जैसे वह बड़े हुए अंग्रेजों के जुल्म को उन्होंने भी देखा। पराधीन भारत में कैसे इसे रोका जाए राम मूर्ति जी अक्सर इसी सवाल पर मंथन करते रहते थे। यही वह समय था जब मोहनदास कर्मचंद गांधी का स्वतंत्रता संग्राम में प्रादुर्भाव हुआ। राम मूर्ति जी ने भी गांधी जी के विषय में पढ़ा। इससे उनकी समाज उत्थान और देशभक्ति की भावना और भी मजबूत हुई। गांधी जी के अहिंसा के शस्त्र के सामने अंग्रेजों की सेनाओं को नतमस्तकक होते देखा। दक्षिण अफ्रीका में रेलवे स्टेशन पर गांधी जी से किए अमानवीय व्यवहार की घटना को राम मूर्ति जी बार बार पढ़ते थे और गांधी जी द्वारा लिए गए अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के संकल्प को दोहराते थे। यही वजह रही कि उन्होंने गांधी जी को अपना आदर्श बनाया और उनके अहिंसा के शस्त्र को अपना कर अपना जीवन देश और समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी के आंदोलन की मशाल वह देश के आजाद होने तक उठाए रहे। इसके लिए वह तमाम बार जेल गए और वहां भी अंग्रेज सरकार के जुल्म सहे। लेकिन कभी देशभक्ति की मशाल नहीं बुझने दी। ऐसी महान शख्सियत को सादर श्रद्धांजलि...।

एक परियोजना का उद्घाटन करते स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी (फोटो एसआरएमएस आर्काइव)

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने किया वर्ष 2021 को याद, कहा

कोविड के बाद भी यादगार रहा वर्ष 2021

- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 100 से बढ़ कर 150 हुईं एमबीबीएस की सीटें
- इम्यूनो हिमेटोलाजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन में एमडी की एक सीट की अनुमति मिली
- कैंसर मरीजों के ट्रीटमेंट में कम लागत का उपकरण बनाने पर डा.पियूष को पुरस्कार
- रिसर्च वर्क प्रकाशित होने वाले इंजीनियरिंग और मेडिकल के शिक्षकों को प्रशंसापत्र
- उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को भी दिया गया नकद पुरस्कार
- पीएमजेवाई स्कीम के तहत मरीजों का उपचार करने में देश में चौथा स्थान हासिल
- इसी वर्ष रिद्धिमा के रूप में एसआरएमएस ट्रस्ट का 17वां इंस्टीट्यूट खोला गया
- सीएस और एमसीए में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस पर काम शुरू हुआ
- इसी वर्ष नर्सिंग कालेज की दो छात्राएं बास्केटबाल में नेशनल चैंपियनशिप खेलने गईं

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने वर्ष 2021 को याद किया। कोविड महामारी के बाद भी वर्ष 2021 में मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की सीटें बढ़ कर 150 होने और इम्यूनो हिमेटोलाजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग में एमडी की एक सीट मिलने जैसी कई उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने पीएमजेवाई स्कीम के तहत मरीजों का इलाज करने में मेडिकल कालेज को पूरे देश में चौथा स्थान मिलने की भी जानकारी दी। इसी वर्ष ट्रस्ट की ओर से रिद्धिमा के रूप में अपना 17वां इंस्टीट्यूट खोलने का जिक्र किया तो क्रिकेट और फुटबाल के नए स्टेडियम तैयार किए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने नर्सिंग कालेज की दो छात्राओं के बास्केटबाल की नेशनल चैंपियनशिप खेलने पर सभी को बधाई दी। साथ ही रिसर्च वर्क प्रकाशित होने वाले इंजीनियरिंग और मेडिकल के शिक्षकों, उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

एसआरएमएस सीईटीआर में 31 दिसंबर को बीते वर्ष की उपलब्धियों को याद करने और नए वर्ष के स्वागत के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने कहा कि 2009 में सीईटीआर की स्थापना के बाद से हमने कोविड महामारी में की गई सेवा को सरकार, प्रशासन के साथ ही अखबारों ने भी मान्यता दी। इसके लिए डा.ललित सिंह और मुझे कोरोना वारियर का अवार्ड दिया गया। यह अवार्ड मुझे न मिल कर पूरे एसआरएमएस परिवार को मिला है। क्योंकि संक्रमितों के उपचार में हमारे यहां पर प्रोफेसर से लेकर नर्सिंग, पैरामेडिकल, टेक्निकल सहित सारे स्टाफ ने सहयोग दिया। इसी बदौलत बरेली और आसपास के कोविड मरीजों के साथ ही दिल्ली सहित दूसरे प्रदेशों के मरीजों को भी स्वस्थ करने में हमने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीएमजेवाई स्कीम के तहत मरीजों का उपचार करने में हमने पूरे देश में चौथा स्थान हासिल किया है। युवा पीढ़ी को हिंदुस्तान की साझा विरासत से परिचित कराने और संस्कृति से जोड़ने के लिए परफार्मिंग आर्ट सेंटर के रूप में एसआरएमएस रिद्धिमा का आरंभ भी इसी वर्ष हुआ। ऐसा सेंटर दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में नहीं है। जहां पर थिएटर, ललित कला, डांस, म्यूजिक सब एक मंच पर एक साथ उपलब्ध हों। थोड़े ही वक्त में इसकी ख्याति बरेली से निकल कर दूसरे शहरों में फैल गई है। यहां हर महीने तीन से चार प्ले आयोजित करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने इंजीनियरिंग की गई नई शुरुआत का जिक्र किया। कहा कि इलेक्ट्रानिक्स,

Letter of Appreciation & Cash Prize of Rs. 5000/- to **Dr. Piyush Kumar & his team**

मैकेनिकल में सेंटर आफ एक्सिलेंस खोले गए। सीएस और एमसीए में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस पर काम शुरू हुआ। ईएन में इंडस्ट्रियल ओटोमोशन लैब और ईसी में एडवांस इमेज प्रोसेसिंग के साथ मैटलैब स्थापित की गई। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रोडक्ट डिजाइन और डेवलपमेंट का काम शुरू हुआ है। क्रिकेट और फुटबाल के स्टेडियम तैयार किए गए हैं। हमारे नर्सिंग कालेज की दो छात्राएं बास्केटबाल में नेशनल चौंपियनशिप खेलने गई हैं। देव मूर्ति जी ने ट्रस्ट के रिसर्च फंड का उल्लेख किया और कहा कि इस फंड से रिसर्च वर्क को प्रमोट किया जाता है। इस वर्ष इंजीनियरिंग में 50 पेपर लिखे गए। इनमें से सात अवार्ड हो रहा है। मेडिकल में 11 पेपर अवार्ड हो रहे हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियर प्रोफेसर (डा.) राजेश त्यागी द्वारा हासिल पेटेंट का भी उन्होंने जिक्र किया। जिन्होंने नोबेल स्ट्रेटजी आफ शोमेन रेजोनेंस फिनामिना एट लो लैटीटूड स्टेशन एंड स्टैब्लिसमेंट पर पेटेंट हासिल किया। देव मूर्ति जी ने कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी के लिए सरकारी द्वारा पैनल में शामिल होने और किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी की अनुमति मिलने की भी जानकारी दी। उन्होंने आने वाले वक्त में किडनी ट्रांसप्लांट शुरू होने की उम्मीद जताई। इंक्लैन से एमओयू होने और उसकी ओर से मेडिकल कालेज को यूपी और उत्तराखंड का सेंटर बनाए जाने की भी जानकारी दी। चेयरमैन ने हेड एंड नेक सर्जरी की इंटरनेशनल बुक में डा. रोहित शर्मा द्वारा लिखे चैप्टर का भी जिक्र किया। इससे पहले सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का आगाज और संचालन एसआरएमएस सीईटीआर की प्रिंसिपल डा.रुचि शाह ने किया। प्रिंसिपल नर्सिंग कालेज डा.रिंटू चतुर्वेदी ने उपस्थित लोगों का आभार जता कर धन्यवाद दिया। इस मौके पर ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति जी, बोर्ड आफ डायरेक्टर सुरेश सुंदरानी जी, सुभाष मेहरा, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, प्रिंसिपल आईबीएस डा.कृष्ण गोपाल, प्रिंसिपल ला कालेज डा.मुकुट बिहारी लाल शर्मा, डीन सीईटी डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डीन पीजी डा.पीएल प्रसाद, डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डीएसडब्ल्यू डा.अतुल कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष और स्टाफ मौजूद रहा।

Letter of Appreciation & Cash Prize

Dr. P. Velmurugan

Dr. A. S. Yadav

Dr. L. S. Maurya - CSE

Dr. Shailendra Kumar Singh

Dr. Ruchi Jain Garg

Dr. Kamlendra Kumar

2 Cash Prize &
3 Letters of Appreciation

Dr. Himanshi Khattar

Mr. Ritesh Kumar Tiwari

Dr. Anjali Tyagi

Dr. Vasvi Mahajan

Dr. Vatsal Agarwal

Dr. Ria Batra

Mr. Muthukumar S.

Ms. Fazilathunnisa Javed

Letter of Appreciation

Dr. Anoushka Agarwal

Dr. Yadvendra Singh

Dr. Nandini Sethi

Dr. Mansi Arora

Dr. Akansha Bajwa

Jan 2021

9th Jan - Cochlear Implant Surgery - केंद्र सरकार ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की अपने पैनल में शामिल किया।

16th Jan - COVID Vaccination in SRMS IMS - एसआरएमएस मेडिकल कालेज में उत्साह के बीच हुआ वैक्सीनेशन। जनवरी के चार दिनों में एसआरएमएस में 15 सौ से अधिक लोगों ने कराया वैक्सीनेशन। पहले दिन सबसे पहले डा.मनोज गुप्ता ने लगवाई कोविड वैक्सीन।

26th Jan - Appreciation - जिले में पीएमजेवाई स्कीम के तहत सबसे ज्यादा मरीज देखने पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज को मिला प्रशस्ति पत्र। गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सुविधाओं पर सिल्वर क्वालिटी सर्टिफिकेट भी हासिल। कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम बरेली नीतीश कुमार ने दोनों प्रशस्ति पत्र मेडिककल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह को प्रदान किए।

30th Jan - Corona Warriors - एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी और डा.ललित सिंह को दिया गया कोरोना वारियर सम्मान। मिनिस्टर अशोक कटारिया ने किया सम्मानित।

Feb 2021

8th Feb - 20th Convocation - एसआरएमएस सीईटी बरेली में स्वतंत्रता सेनानी स्वगह्य श्रीराममूर्ति जी के 111वें जन्मदिवस पर आयोजित दीक्षांत समारोह में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रोफेसर डा. अखिलेश कुमार पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

- Inauguration Riddhima - स्वतंत्रता सेनानी स्वगह्य राम मूर्ति जी के 111वें जन्मदिन पर रिद्धिमा (ए सेंटर आफ परफार्मिंग एंड फाइन आटर्स) का उद्घाटन। कथक गुरु जितेंद्र महाराज, शायर वसीम बरेलवी और शब्बू मियां की मौजूद रहे।

March 2021

4th March - MOU between SRMS - The INCLEN Trust International - समझौता पत्र पर आदित्य मूर्ति जी और इन्क्लेन के डा.नरेंद्र कुमार अरोरा ने किये हस्ताक्षर।

19th March -10th UP & UK ISCCM - रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर विभाग की ओर से 10वीं यूपी यूके आईएससीसीएम स्टेट चैप्टर कांफ्रेंस में डा.बीके राव को श्री राम मूर्ति ओरिएशन अवार्ड, भटिंडा स्थित एम्स के डायरेक्टर डा.डीके सिंह को दिया गया लाइफ टाइम सम्मान।

20th March - 49th National Handball Championship for Girls - इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैच एसआरएमएस सीईटी के क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए।

April 2021

17th April - CME on Gynaecological Malignancies 2021- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में महिलाओं में कैंसर विषय पर हुई तीसरी सीएमई।

July 2021

1st July - SRMS IMS Top 10 List of Medical College in Country - पत्रिका इंडिया टुडे ने जुलाई 21 में प्रकाशित अंक में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को देश के टाप टेन कालेजों में स्थान दिया।

4th July - SRMS IMS Health Mela - 20वें स्थापना दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पांच दिवसीय स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन एडीजी अविनाश चन्द्र ने किया।

- 33th Tribute Ceremony - प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी को श्रद्धांजलि देते हुए एसआरएमएस ट्रस्ट ने 800 छात्रों को दी तीन करोड़ की छात्रवृत्ति। जयंत कृष्णा और शाकिर खां को श्री राममूर्ति प्रतिभा अलंकरण से सम्मानित किया।

22th July - Geriatric Clinic - एसआरएमएस गुडलाइफ अस्पताल में बुजुर्गों के लिए खास जेरियाट्रिक क्लीनिक का शुभारंभ।

August 2021

27th Aug - Corona Warriors - जागरण ने डा.अभिनव पांडेय. डा.वर्तिका अग्रवाल, डा. अंकित ग्रोवर, नर्सिंग इंचार्ज ज्ञान प्रकाश शर्मा और सफाई कर्मचारी बाबूराम को कोरोना योद्धा सम्मान के तहत दिया प्रशस्ति पत्र और सर्टिफिकेट।

-एसआरएमएस मेडिकल कालेज के नर्सिंग स्टाफ को नेशनल एसोसिएशन आफ इंडियन नर्सेज आफ अमेरिका (एनएआईएनए) की तरफ से सम्मानित किया गया। कोविड-19 के दौरान आईसीयू में ड्यूटी करने वाले नर्सिंग स्टाफ से 50 नर्सों को किया सम्मानित।

September 2021

3rd Sept - रिद्धिमा में इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम का उद्घाटन। इसमें देश के कोने कोने से लाकर दो सौ से ज्यादा दुर्लभ वाद्य यंत्रों को रखा गया। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छत्तीसगढ़) की ओर से रिद्धिमा को दी गई मान्यता।

5th Sept - Uday Utkrashta Award 2021- एसआरएमएस रिद्धिमा को अमर उजाला उदय उत्कृष्टता सम्मान 2021। यह सम्मान परिवहन मंत्री अशोक कटारिया, महापौर उमेश गौतम, पुलिस महानिरीक्षक रमित शर्मा, एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी को प्रदान किया।

6th Sept - Parakram - श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज में दस दिवसीय स्पोर्ट्स मीट आयोजित। इसमें फुटबाल, टेबिल टेनिस, कबड्डी, बास्केटबाल, क्रिकेट, वालीबाल, बैडमिंटन, खो-खो और एथलेटिक्स सहित 50 स्पर्धाओं में सौ से ज्यादा महिला और पुरुष खिलाड़ी शामिल हुए।

21th Sept - Cochlear Implant Surgery - राज्य सरकार ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को पैनल में शामिल किया।

26th Sept --पीएमजेएवाई में एसआरएमएस मेडिकल कालेज उ.प्र. में नंबर वन: उ.प्र. सरकार और स्टेट एजेंसी कंप्रिहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज की ओर से लखनऊ में स्वास्थ्य शिक्षा और परिवार कल्याण मंत्री जय प्रकाश सिंह ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ओंकोलाजिस्ट डा. पवन मेहरोत्रा को दिया प्रशस्ति पत्र और ट्राफी।

October 2021

2nd Oct - 33th Tribute Ceremony& प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी को एसआरएमएस ट्रस्ट ने किया याद। 800 छात्रों को दी गई तीन करोड़ की छात्रवृत्ति। योजनाकार जयंत कृष्णा और तबलावादक उस्ताद शाकिर खां को श्रीराममूर्ति प्रतिभा अलंकरण। कहानी और वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित।

9th Oct - RMA Achievers Award 2021- रुहेलखंड मैनेजमेंट एसोसिएशन की ओर से 9 अक्टूबर 21 को एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी को सम्मानित किया गया। रुहेलखंड विवि के वीसी प्रोफेसर केपी सिंह ने उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान किया।

19th Oct - National Theater Workshop - एसआरएमएस रिद्धिमा में माडर्न थिएटर टेक्निक्स पर छह दिवसीय थिएटर वर्कशाप आयोजित। इसमें भारतेंदु नाट्य अकादमी की माडर्न थिएटर की प्रोफेसर चित्रा मोहन जी और अभिनेता मुकुल नाग ने अभिनय की बारीकियां सीखायीं।

20th Oct - Kidney Transplant Permission - डीजी मेडिकल एजूकेशन एंड ट्रेनिंग ने दी किडनी ट्रांसप्लांट की परमीशन।

24th Oct - Inter School Cricket Tournament - इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे सीजन का आगाज एसआरएमएस ट्रस्ट सचिव और टूर्नामेंट आयोजन समिति के संरक्षक आदित्य मूर्ति जी ने किया। टूर्नामेंट में 16 टीमों ने भाग लिया। इन टीमों के बीच आठ नाकआउट, चार क्वार्टर फाइनल, दो सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले गए। पहली नवंबर को खेले गए इसके फाइनल मैच में मिशन एकादमी को हराकर विद्याभवन ने दूसरी बार ट्राफी अपने नाम की।

November 2021

9th Nov - Theatre Festival "INDRADHANUSH" - रिद्धिमा में छह दिन का थिएटर फेस्टिवल आयोजित। इसका आगाज नाटक 'मैं पापिन क्यों' से हुआ और समापन 14 नवंबर को कमेडी नाटक 'चाचा चक्कर इन एक्शन' से।

17th Nov - HUNKAAR - एसआरएमएस सीईटी में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, बास्केटबाल, वालीबाल, फुटबाल, खो-खो और एथलेटिक्स की स्पर्धाएं हुईं।

18th Nov - 150 Seats for UG (MBBS) - एसआरएमएस मेडिकल कालेज में यूजी की सीटें सौ से बढ़ा कर 150 की गईं। राज्य सरकार ने इसकी अनुमति प्रदान की।

19th Nov - पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में एसआरएमएस मेडिकल का लिया नाम। उन्होंने यहां उपचारित मरीज राजेश कुमार प्रजापति से बात की। राजेश ने एसआरएमएस में मिले बेहतर ट्रीटमेंट की जानकारी पीएम को दी।

26th Nov - Cochlear Implant Workshop - एसआरएमएस मेडिकल कालेज में कोक्लियर इंप्लांट वर्कशाप और लाइव सर्जरी का प्रसारण, दो दिवसीय वर्कशाप में छह बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की गई।

27th Nov - ZEST - सालाना सांस्कृतिक कार्यक्रम जेस्ट आरोहन में 12 गोल्ड, 9 सिल्वर और 2 ब्रांज मेडल के साथ सीईटी बरेली ने हासिल की चौंपियन ट्राफी।

एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग के 150 विद्यार्थियों ने ली सेवाभाव की शपथ

60 साल के मरीज की मां हो जाती है 18 वर्ष की नर्स

शपथ ग्रहण

- बरेली-उन्नाव के जेएनएम 16वें और एएनएम तीसरे बैच के विद्यार्थी हुए शामिल
- कोविड मरीजों की सेवा पर परशुराम, प्रीति और बबिता को कोरोना वारियर सम्मान
- मुख्य अतिथि के रूप में बरेली के सीएमओ बलबीर सिंह समारोह में रहे मौजूद

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने नर्सिंग स्टाफ द्वारा कोरोनाकाल में मरीजों की सेवा की सराहना की। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में जब परिवार और रिश्तेदार संक्रमित मरीज के पास आने से परहेज कर रहे थे तब हमारे नर्सिंग स्टाफ ने अपना फर्ज निभाया। पूरी निष्ठा और लगन के साथ मरीजों की सेवा की। परिजनों की तरह मरीज का ख्याल रखा। अस्पताल के अंदर 18 वर्ष की नर्स 60 साल के मरीज की मां की तरह अपनी जिम्मेदारी निभाती है। मरीजों की आधी से ज्यादा परेशानी नर्स की तीमारदारी ही दूर कर देती है। यही सेवाभाव एसआरएमएस में सिखाया जाता है और इसी की बदौलत आज पूरे विश्व में एसआरएमएस की नर्सेस अपनी सेवाएं दे रही हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

देव मूर्ति जी ने यह बात श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ नर्सिंग के जेएनएम 16वें और एएनएम तीसरे बैच के बरेली एवं उन्नाव के 150 विद्यार्थियों के शपथ ग्रहण समारोह में कही। इस मौके पर उन्होंने नर्सिंग स्टाफ परशुराम यदुवंशी, प्रीति शर्मा और बबिता आर्य को कोरोना वारियर सम्मान दिया।

एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग में 24 दिसंबर को कैपिंग लैम्प लाइटिंग एंड ओथ सेरेमनी समारोह का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सीएमओ बरेली बलबीर सिंह भी उपस्थित हुए। उन्होंने देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी और डा.एसबी गुप्ता जी के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि डा.बलबीर सिंह ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर आपके पास स्किल है तो रोजगार के साथ सम्मान भी आसानी से हासिल हो सकता है। और यह स्किल एसआरएमएस के विद्यार्थियों में होती ही है। क्योंकि एसआरएमएस हमेशा से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विख्यात है। यहां हासिल शिक्षा जिंदगी भर आपके काम आएगी। आपने जिस क्षेत्र को चुना है वह मानवसेवा के साथ ही आपके जीवन में भी बदलाव का काम करेगा।

स्वागत

एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी ने ट्रस्ट की उपलब्धियों जिक्र किया। कहा 1990 में शुरू हुए ट्रस्ट को 31 वर्ष पूरे कर लिए हैं। ट्रस्ट द्वारा 17 संस्थान सफलतापूर्वक चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नर्स चिकित्सा क्षेत्र में रीढ़ की हड्डी के समान होती हैं। मरीजों के उपचार में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। मरीज के लिए नर्स उम्मीद की रोशनी की तरह है और अस्पताल में मरीजों के लिए

एसआरएमएस पैरामेडिकल में फ्रेशर पार्टी

बरेली: श्रीराममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेस के विद्यार्थियों ने 23 दिसंबर को 2021 बैच के फ्रेशर्स को पार्टी देकर स्वागत किया। इसमें गौरव कार्की और अक्सा खान को क्रमश: मिस्टर फ्रेशर व मिस फ्रेशर चुना गया। इस मौके पर जयदेव पटेल और शेफाली शर्मा क्रमश: मिस्टर इवनिंग व मिस इवनिंग बने। कार्यक्रम का आरंभ एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, सचिव आदित्य मूर्ति व ऋचा मूर्ति जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद 2020 बैच के निखिल शर्मा ने 'देवा श्री गणेशा' और आयुष विल्सन ने 'खैरियत पूछो' गीत गाया। कार्यक्रम में ट्रस्ट एडवाइजर ई. सुभाष मेहरा, प्रिंसिपल आईएमएस डा. एसबी गुप्ता, प्रिंसिपल आईपीएस डा. कृष्ण गोपाल, डीन पीजी डा. पीएल प्रसाद, डीन यूजी डा. नीलिमा मेहरोत्रा, डा. राहुल गोयल, फैकल्टी इंचार्ज डा. आशीष चौहान, डीन स्टूडेंट वेलफेयर आईएमएस डा. अतुल कुमार, डीन स्टूडेंट वेलफेयर आईपीएस डा. इमरान अहमद अंसारी, पैरामेडिकल स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद रहे।

- गौरव कार्की मिस्टर फ्रेशर और अक्सा खान को मिस फ्रेशर चुना गया
- जय देव को मिस्टर इवनिंग और मिस इवनिंग शेफाली को चुना गया

यह माता-पिता और रिश्तेदारों की तरह होती हैं। उन्होंने शपथ लेने वाले विद्यार्थियों से मरीज के मन में विश्वास पैदा कर उनका ख्याल रखने का संदेश दिया। इससे पहले एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग की प्रिंसिपल प्रो. रिंटू चतुर्वेदी ने सभी का स्वागत किया और लेडी विद द लैंप के नाम से विख्यात फ्लोरेंस नाइटिंगेल के बारे में सभी को जानकारी दी। असिस्टेंट प्रोफेसर रेखा कोरंगा ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। चीफ मेटरन एसआरएमएस आईएमएस (सेवानिवृत) लेफ्टिनेंट कर्नल अलियम्मा और डा.एसबी गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। एसआरएमएस नर्सिंग कालेज उन्नाव के प्रिंसिपल शामिल सीबी ने सभी का आभार जताया। समारोह में ट्रस्ट एडवाजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, प्रिंसिपल एसआरएमएस कालेज आफ पैरामेडिकल साइंसेज डा. कृष्ण गोपाल, ला कालेज के प्रिंसिपल मुकुट बिहारी लाल, एसआरएमएस आईएमएस मेटरन जाय विलसन, डीन डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार और समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

सीईटी में एमसीए, एमबीए और बी फार्म की फ्रेशर पार्टी

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियिंग एंड टेक्नालाजी में 15 दिसंबर को एमसीए, एमबीए और बी फार्म के सेकेंड इयर के विद्यार्थियों ने नए स्टूडेंट्स का स्वागत किया। फार्मेसी में अंश पटेल और हंसिका को मिस्टर और मिस फ्रेशर चुना गया। एमसीए में अभिनव उपाध्याय और आंचल गुप्ता को क्रमशा मिस्टर और मिस फ्रेशर चुना गया। जबकि एमबीए में जुहैब और सिमरन मिस्टर और मिस फ्रेशर रहीं। एसआरएमएस ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने सभी विद्यार्थियों को एसआरएमएस परिवार में स्वागत किया और सभी को यहां की संस्कृति और विरासत से परिचित कराया।

रंगमंच को समर्पित हुआ रिद्धिमा का मंच

नाटक 'ए प्राइवेट अफेयर' देखने पहुंचे बरेली के डीएम मानवेंद्र सिंह

रिद्धिमा में प्ले देखते डीएम बरेली मानवेंद्र सिंह

- सराय ए मालकिन, हब्बा खातून, ए प्राइवेट अफेयर्स, इनसे मिलिए का मंचन
- लोक संगीत के कार्यक्रम इंडीफोक में स्वर पर साज की गुरुओं की जुगलबंदी
- उमंग में कथक के शिष्यों को दी गुरुओं की संगत को दर्शकों ने खूब सराहा

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में दिसंबर माह का आगाज हास्य नाटक मालकिन ए सराय के मंचन से हुआ। इसमें मुसाफिरों को अपने इश्क में उलझाने वाली मालकिन मेहरूनिसा दर्शकों के रूबरू हुई। मशहूर शायरा हब्बा खातून के जीवन के उतार-चढ़ाव को नाटक हब्बा खातून के जरिये दर्शकों ने देखा। उनके गरीब परिवार में पैदा होने से लेकर कश्मीर की मलिका बनने तक के सफर का दिल्ली के रूबरू थिएटर ग्रुप के कलाकारों ने खूबसूरती से मंचन किया। दिल्ली के पीरोट ट्रूप ग्रुप थिएटर के कलाकारों ने हास्य नाटक 'ए प्राइवेट अफेयर्स' से फिर दर्शकों को लोटपोट किया। इस हास्य नाटक का निर्देशन डा. एम. सईद आलम ने किया। इस दौरान सभागार में बरेली के डीएम मानवेंद्र सिंह जी भी मौजूद रहे। नाटक देखने के बाद उन्होंने रिद्धिमा में बने इंट्रूमेंट म्यूजियम को भी देखा और इसकी सराहना की। नाटक इनसे मिलिए में फिर हास्य, व्यंग और भावनाओं का संगम हुआ। इसका निर्देशन फिल्म और टीवी जगत के जाने माने अभिनेता सलीम शाह ने किया। 'इंडीफोक' में गुरुओं ने राजस्थानी, आसामी, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लोक गीतों की प्रस्तुति दी। कथक पर आधारित उमंग में गुरुओं और शिष्यों के बीच जुगलबंदी रही। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, बरेली कालेज के प्राचार्य डा. अनुराग मोहन भटनागर, डा. रोहित शर्मा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार सहित शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

इन्सट्रूमेंट गैलरी देखते डीएम बरेली मानवेंद्र सिंह

रिद्धिमा में सजी सुर संगीत की शाम 'इंडीफोक'

'इंडीफोक' की शुरुआत लोक संगीत राग मांड और राग पहाड़ी से हुई। 'अल्लाह जिलाई बाई' के प्रसिद्ध लोकगीत 'पधारो म्हारे देस' पर गुरु स्नेहाशीष मिश्रा ने प्रस्तुति दी। पहाड़ी लोकगीत 'नैनी की मधुली' को गुरु शिवांगी मिश्रा ने अपनी आवाज से सजाया। गायिका इंदु परडल ने 'मोरनी बागा मा बोले' को स्वर दिए। असम के लोक गीत 'डोला ओ डोला' पर स्नेहाशीष मिश्रा और इंदु परडल ने फिर अपनी आवाज दी। लोकगीत 'ओ री दईया' को गायिका डा. रीता शर्मा ने स्वर दिए। संगीत ने भी इस कार्यक्रम में चार चांद लगाए। इसमें तबले पर शिवशंभु कपूर और दीपक सहाय, सारंगी पर अनीश मिश्रा और उमेश मिश्रा, सितार पर कुंवरपाल, ढोलक पर जनार्दन भारद्वाज, बांसुरी पर पवन राज चौधरी और गिटार पर अंगस्टीन फ्रेडरिक ने बहुत खूबसूरती से साथ दिया।

शायरा से मलिका ए कश्मीर का सफर

नाटक की शुरुआत हब्बा खातून उर्फ जून से होती है जिसे पढ़ने लिखने का शौक है। लेकिन माता-पिता उनकी शादी कर देते हैं। पति कमाल और ससुराल के लोग हब्बा खातून पर जुल्म करते हैं। हब्बा अपनी पीड़ा कविताओं और गीतों में व्यक्त करती है। हब्बा के पिता उसे अपने साथ ले जाते हैं। एक दिन शिकार खेलने आए कश्मीर के बादशाह यूसुफ शाह चक हब्बा को गीत गाता देख मोहित हो गए और उन्होंने उससे निकाह कर लिया। इसी दौरान बादशाह अकबर ने कश्मीर पर हमला कर यूसुफ को बंदी बना लिया। यूसुफ की याद और पुनर्मिलन की आस में हब्बा ने कई विदारक गीत लिखे। नाटक की लेखिका और रूबरू थियेटर की फाउंडर काजल सूरी ने ही इसका निर्देशन भी किया। हब्बा का किरदार चंद्रानी मुखर्जी ने, यूसुफ का रोल शांतनु सिंह ने निभाया।

कन्फ्यूजन और कामेडी का तड़का

'ए प्राइवेट अफेयर्स' की शुरुआत मनोचिकित्सक गीता थडानी से होती है जो अपने सचिव अनिल सेठी के साथ स्पिलिट पर्सनालिटी विषय पर व्याख्यान देने के लिए दिल्ली आती हैं। वह होटल में ठहरती हैं। अनिल भी वहीं रुकता है लेकिन उसका कमरा कैप्टन शर्मा को दे दिया जाता है। अनिल और कैप्टन शर्मा एक ही कमरे को अपना समझते हैं। दूसरे श्य में गीता से मिलने मरीज सलीम पहुंचता है। वह कैप्टन से गीता से मिलवाने की बात कहता है। लेकिन कैप्टन उसे बाहर भेज देता है। सलीम से मिलने गीता अनिल के कमरे में आती है। वहां कैप्टन मिलता है। गीता उसे मरीज समझती है। नाटक में गीता की भूमिका शाइस्ता फातिम ने, कैप्टन शर्मा का किरदार डा. सईद आलम ने, सचिव अनिल का किरदार अंकित चौहान ने बखूभी निभाया।

मालकिन ए सराय में मोहब्बत और नफरत की जंग

रणवीर सिंह द्वारा लिखित मालकिन ए सराय मेहरूनिसा नाटक मेहरूनिसा के इर्दगिर्द घूमता है। मेहरूनिसा को अपनी सुन्दरता पर नाज है। सराय को चलाने के लिए वह लोगों को अपनी खूबसूरती के जाल में फंसाती है। सराय में ठहरे दो मुसाफिर नवाब और अमीर उल मुल्क को मेहरूनिसा से इश्क हो जाता है। दूसरी तरफ मुसाफिर खां हैं जो औरतों से सख्त नफरत करते हैं। मेहरूनिसा का जादू उन पर नहीं चलता। मेहरूनिसा खां साहब को अपनी मोहब्बत में घुटने टिकवाने की कोशिश करती है। खां साहब भी उसके इश्क में गिरफ्तार हो जाते हैं। मेहरूनिसा को दर्शकों के सामने बेहतरीन रूप से प्रस्तुत किया डा. दीपशिखा जोशी ने। अमीर उल मुल्क का किरदार अंशुमन ठाकुर, नवाब का किरदार आयुष्मान मिश्रा, खां साहब का किरदार विनायक कुमार श्रीवास्तव ने निभाया।

हास्य, व्यंग्य और भावनाओं का संगम

नाटक में तीन कहानियां चलती हैं। पहली कहानी में श्यामनाथ अपने बास के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करते हैं। पत्नी के कहने पर वह अपनी अनपढ़ मां से अच्छे कपड़े पहनने और सोते समय खर्राटे न लेने को कहते हैं। डिनर के बाद घर वापस जाते समय बश्वस की नजर कुसह्न पर खर्राटे लेकर सोती माता जी पर पड़ती है। वह उनके पास जाकर उनका हालचाल पूछते हैं। वह कोई जवाब नहीं देती हैं। अगली कहानी एक ऐसी महिला की है जिसके बच्चे नहीं हैं। सास और पति उसे एक ढोंगी के पास ले जाते हैं। ढोंगी महिला से दुष्कर्म करता है। तीसरी कहानी में जिहादी मानसिकता के व्यक्ति को दिखाया गया जो शहादत के नाम पर लोगों को मरता है। पहली कहानी को सलीम शाह, दूसरी में वाणी कुमार और तीसरी कहानी को ऋषभ वर्मा ने मोनोलाग के जरिए परिभाषित किया।

उमंग में गुरु शिष्य की जुगलबंदी

उमंग की शुरुआत रिद्धिमा विद्यार्थियों ने राग यमन पर आधारित गणपति वंदना 'गाइए जग वंदन' पर नृत्य से हुई। इसके बाद राग रूपक और श्रृंगार रस पर आधारित ठुमरी को विद्यार्थियो ने पेश किया। विद्यार्थियों के बाद गुरुओं ने मंच संभाला। भगवान शिव के अर्धनारीश्वर रूप को कथक के माध्यम से गुरु देबज्योति नक्सर और रियाश्री चटर्जी ने रूपक ताल पर प्रस्तुत किया। गजल 'वो जो हम में तुम में करार था' पर गुरु देवज्योति नक्सर और रियाश्री चटर्जी ने कथक प्रस्तुति देकर शाम को संगीतमय बनाया। गुरु देवज्योति और रियाश्री ने तराना पेश किया। शिवांगी मिश्रा और शिवाशीष मिश्रा ने गणपति वंदना और गजल प्रस्तुत की। तबले पर शिव शंभू कपूर, दीपक सहाय, सितार पर कुंवरपाल, सारंगी पर अनीश मिश्रा, उमेश मिश्रा, वायलन पर सूर्यकांत चौधरी ने उपस्थिति दर्ज कराई।

विश्व एड्स दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज का जागरूकता अभियान

डरें नहीं बस बरतें सावधानी

जागरूकता रैली

बरेली: श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज आफ साइंसेज में पहली दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के मौके पर एमबीबीएस और पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने रैली निकालकर लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया। इस दौरान विद्यार्थियो ने हाथों में बैनर लेकर इस बीमारी के कारण, लक्षण और उनसे बचाव के उपाय भी बताए। कालेज परिसर में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से मरीज और उनके तीमारदारों को एड्स के प्रति जागरूक किया। एसआरएमएस की ओर से संचालित हास्पिटल आन व्हील्स, टेलीमेडिसिन बस से एड्स से बचाव की जानकारी दी गई साथ ही रुरल हेल्थ सेंटर और अर्बन हेल्थ सेंटर पर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मानव श्रृंखला रैली ने किया लोगों को जागरूक

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के एमबीबीएस और पैरामेडिकल के सैकड़ों विद्यार्थियो ने जागरूकता रैली निकाली। इस मानव श्रृंखला रैली में लोगों को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक किया। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डा. आरपी सिंह और सामुदायिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अतुल कुमार ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। कालेज परिसर से शुरू होकर मानव श्रृंखला के रूप में जागरूकता रैली भोजीपुरा रेलवे जंक्शन तक गई और वहां से वापस मेडिकल कालेज के रिसेप्शन एरिया में समाप्त हुई। इस मौके पर पैरामेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. कृष्ण गोपाल, डीन पीजी डा. पीएल प्रसाद, डीन यूजी डा. नीलिमा मेहरोत्रा, डा. एनके अरोड़ा, डा. पीयूष अग्रवाल, डा. प्रतीक गहलोत, डा. राहुल गोयल, डा. धर्मेन्द्र गुप्ता, डा. एमपी रावल सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक से दिया जागरूकता का संदेश

रैली के बाद सभी लोग मेडिकल कालेज के रिसेप्शन एरिया में पहुंचे जहां पैरामेडिकल के विद्यार्थियो ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक में विद्यार्थियों ने पांच दृश्य प्रस्तुत किए जिनमें दिखाया गया कि नाई की दुकान में बाल कटवाते समय नए ब्लेड का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस्तेमाल की हुई सिरिंज को दुबारा इस्तेमाल में नहीं लाना चाहिए। साथ ही एचआईवी पाजिटिव व्यक्ति का खून चढ़ाने, संक्रमित सिरिंज का उपयोग करने से फैलता है। साथ बैठक खाने व एक दूसरे को छूने से यह रोग नहीं फैलता है।

चिकित्सकों ने की लोगों से एड्स पर चर्चा

कालेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सामुदायिक चिकित्सा विभाग के चिकित्सक डा. अभिनव पांडे ने मरीज और उनेक तीमारदारों से इस विषय पर विस्तार से चर्चा की और सवालों के जवाब दिए। लोगों को बताया गया कि अधिक समय तक खांसी होने पर तत्काल एचआईवी की जांच कराएं। समय से बीमारी का उपचार किया जाए तो जल्द इससे छुटकारा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि एसआरएमएस में एड्स की जांच के लिए आईसीटीसी सेंटर बना हुआ है जहां निशुल्क जांच की जाती हैं साथ ही निशुल्क दवाइयां भी दी जाती हैं।

रामपुर गार्डन स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर पर कैंप

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट के रामपुर गार्डन स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर में विश्व एड्स दिवस पर शिविर का आयोजन हुआ। इसमें डा. आरसी गुप्ता, इंटर्न डा. कीर्ति और जुगपाल ने एड्स के लक्षण और बचाव के बारे में बताया। डा. वर्तिका अग्रवाल ने शिविर में मौजूद लोगों को बताया कि एसआरएमएस कई वर्षों से इस अभियान में सरकार के साथ काम कर रहा है। उन्होंने इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक होकर समय से इसका इलाज कराने की सलाह दी। शिविर में 45 लोग मौजूद रहे।

रानी अवंतीबाई लोधी डिग्री कालेज में किया जागरूक

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के चिकित्सकों डा. वर्तिका, डा. आरसी गुप्ता और एमएसडब्ल्यू शांति भट्ट ने रानी अवंतीबाई लोधी सरकारी महाविद्यालय की 150 से ज्यादा छात्राओं और शिक्षिकाओं को एचआईवी और इससे जुड़े भ्रम के बारे में शिक्षित किया। उन्होंने एनएसीपी के तहत उपलब्ध उपचार और परीक्षण सुविधाओं से भी अवगत कराया।

एड्स और इससे बचाव की दी जानकारी

श्रीराममूर्ति स्मारक ट्रस्ट के भैरपुरा स्थित टेलीमेडिसन सेंटर पर विश्व एड्स दिवस के मौके पर जागरूकता स्वास्थ्य वार्ता आयोजित हुई। इस कार्यक्रम में 35 व्यक्तियों ने भाग लिया। इसमें डा. प्रियंका ने एचआईवी के लक्षण, प्रसार के तरीके, रोकथाम, प्रारंभिक उपचार और निदान के बारे मे लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर इंटर्न डा. गौरव और डा. धर्मवीर ने वार्ता में मौजूद लोगों को आईसीटीसी और एआरटी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि आईसीटीसी और एआरटी की सुविधा एसआरएमएस में उपलब्ध है।

हास्पिटल आन व्हील्स ने किया जागरूक

एसआरएमएस द्वारा ग्रामीण इलाकों मे चलाई जा रही हास्पिटल आन व्हील्स से बहेड़ी के नारायण नगला में जागरूकता परिचर्चा का अयोजन किया गया। इसमें डा. हुमा खान ने विश्व एड्स दिवस और इसके महत्व को बताते हुए कहा कि एचआईवी एड्स के प्रति लोगों में अनेक प्रकार के भ्रम फैले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह बीमारी छूने से नहीं फैलती। साथ ही समय से उपचार मिलने पर इससे ठीक हुआ जा सकता है। चर्चा में लोगों के सवालों और शंकाओं को दूर किया गया। इस मौके पर शिविर में 70 मरीज और उनके परिचारक मौजूद रहे।

रूरल हेल्थ सेंटर पर स्वास्थ्य वार्ता

विश्व एड्स दिवस के मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के रूरल हेल्थ सेंटर धौराटांडा में जागरूकता स्वास्थ्य वार्ता आयोजित हुई। वार्ता में डा. आशीष कुमार ने एसआरएमएस अस्पताल में उपलब्ध परीक्षण और उपचार सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा. रूचि अरूण ने कहा कि हमें एड्स के बारे में खुलकर चर्चा करनी होगी यह एक बीमारी है और हर बीमारी का इलाज संभव है। उन्होंने बताया एड्स महामारी से बचने के उपाय भी बताए। चर्चा में 45 लोगों ने हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों को किया एड्स के प्रति जागरूक

धौराटांडा स्थित कालेज में एसआरएमएस के चिकित्सकों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को एड्स और इससे जुड़ी जानकारी दी। डा. रूचि अरूण ने कहा कि एड्स और इससे बचाव के बारे में बच्चों को भी जानकारी होनी चाहिए। जानकारी के अभाव में लोग इस बीमारी का इलाज नहीं करा पाते जिस कारण उन्हें भविष्य में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कार्यक्रम में लगभग सौ से ज्यादा विद्यार्थी और शिक्षक शामिल हुए।

टेली मेडिसिन बस से चिकित्सकों ने किया जागरूक

एसआरएमएस मेडिकल कालेज की टेलीमेडिसिन बस सेवा से आंवला के लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया गया। बस में मौजूद इंटर्न डा. डीएस तोमर और डा. कपिल देव ने जानकारी दी कि एसआरएमएस में एचआईवी एड्स का बेहतर इलाज उपलब्ध है। ग्रामीणों को बताया गया कि एड्स महामारी समय रहते इलाज मिलने पर ठीक की जा सकती है। लेकिन उसके लिए हमें जागरूक होने की जरूरत है। इस दौरान 40 लोगों ने चिकित्सकों से परामर्श लिया।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2003 में प्रथम स्थान प्राप्त कहानी

हिन्दोस्तां हमारा

लेखक- सुगम कुमार, पता- गोपालपुर पोस्ट-सैदपुर, जिला भागलपुर (बिहार)

भीकाजी कामा पैलेस की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए उसके मस्तिष्क में आशाओं और निराशाओं का झंझावत हिलोरे ले रहा था। हे भगवान अब और निराश मत करो। बाइस वर्षीय वह लड़की जो सादे पारंपरिक हिस्दुस्तानी वेश में रोजगार की तलाश में बढ़ती जा रही थी, शायद ईश्वर से यही कह रही थी। हाथ में पर्चे को लेकर ढूँढती और कुछ लोगों से पूछती वह एक दफ्तर के दरवाजे जा खड़ी हुई। द्वार को धीरे से धकेलती हुई बोली क्या मैं अंदर आ सकती हूँ श्रीमान। ''यस" अंदर से आवाज आई। पैंतीस वर्षीय वह व्यक्ति जो उस दफ्तर का मालिक था, फाइलों में उलझे हुए ही बोला बैठ जाइए। महाशय मैं यहाँ काम की तलाश में आई हूँ, वह बैठती हुई बोली। ''हूँ क्या नाम है आपका?'' वह लड़की की तरफ देखकर बोला। जी संस्कृति मिश्रा। संस्कृति जी आप क्या काम करती हैं? जी अब तक तो मैने कहीं काम नहीं किया है। एजूकेशन क्या है आपकी? जी स्नातक किया है मैने हिन्दी में। कम्प्यूटर जानती हैं? ये तो मैने नहीं सीखा अभी तक। कोई डिप्लोमा वगैरह...। जी नहीं। अंग्रेजी, धड़ल्ले से बोल लेती हैं? महाशय आप जानते हैं कि सरकारी विद्यालयों में अंग्रेजी की स्थिति ठीक नहीं है। फिर तो सॉरी मैडम मैं आपकी कोई मदद नहीं कर सकता। अभी तो मेरे पास सिर्फ एक रिसैप्शनिस्ट की ही जरूरत है। ये तो आपसे होगा नहीं।

वह उठते हुए नि:श्वास लेकर बोली, अच्छा धन्यवाद श्रीमान। कहते हुए वह दरवाजे से बाहर निकल आई। फिर शुरू हुई दफ्तरों की दौड़। इस दफ्तर से उस दफ्तर। कहीं-कहीं तो सिक्योरिटी गार्ड ही चलता कर देते। रोजगार तो जाने कहाँ गुम हो गया था। अस्ताचलगामी सूर्य की ओर देखते हुए उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। उसके पैर भी अब चलने से इंकार करने लगे थे। धीरे-धीरे सरकती हुई, वह बस स्टॉप पर पहुँची। वहीं एक किनारे खड़ी होकर देखने लगी। सड़कों पर दौड़ती जिंदगी। जहाँ हर आदमी व्यस्त है अपने आप में। किसी को किसी से कोई मतलब नहीं, कोई सरोकार नहीं। सभी भागे चले जा रहे हैं, अपनी ही धुन में मस्त। वह इस भीड़ में खुद को ढूँढ रही थी। तभी बस आ गई। फिर उसे कोई मशक्कत नहीं करनी पड़ी थी। भीड़ ने उसे खुद-ब-खुद बस पर चढ़ा दिया था। नन्द नगरी। एक गलियारे में छोटा सा मकान। आर्यवर्त भवन। इस मकान के मालिक हैं आर्यवर्त मिश्र। यहाँ वे अपनी पत्नी भारती के साथ रहते हैं। आर्य बाबू ने स्वतंत्रता संग्राम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। जिसके लिए इन्हें ताम्र-पत्र भी मिला है। अस्सी वर्षीय आर्य बाबू को सरकार द्वारा पेंशन मिलती है जिससे घर का खर्च चल पाता है। बुढ़ापे में इनकी श्रवण-शक्ति काफी क्षीण हो गई है। आँखों पर हमेशा चश्मा चढ़ा होता है। भारती मिश्रा। आर्य बाबू की अर्द्धांगिनी। पूर्णत: भारतीय नारी। बिना ईश्वर को भोग लगाए और आर्य बाबू को खिलाए, खुद नहीं खाती। पूजा-पाठ में ही अधिकांश समय व्यतीत होता है। शरीर जीर्ण हो चुका है पर कर्मठता अब भी बाकी है।

आजकल आर्य बाबू और भारती मिश्रा की बेटी आई हुई है हिन्दी मिश्रा। अपने सिद्धान्तों की बड़ी ही पक्की है। सिद्धांतों के कारण ही पति से मतभेद अब अलग जीवन-यापन कर रही हैं। क्योंकि पति, कोई दूसरी औरत को उठा लाए हैं। पैतालिस वर्षीय हिन्दी मिश्रा अब छोटे बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती हैं। हिन्दी मिश्रा की एकमात्र पुत्री हैं संस्कृति मिश्रा। निहायत ही खूबसूरत, सूरत से भी और सीरत से भी। चरित्र और दृढ़ इच्छा-शक्ति की धनी। हमेशा कुछ कर दिखाने की ललक इनमें रहती है। आर्य बाबू के घर की बेल बजती है। कौन है? मैं हूँ नाना जी संस्कृति। बाहर से आवाज आई। अरे भैया नहीं चाहिए। संतरे तो मैंने बाजार से ले लिए हैं। पता नहीं क्या-क्या सुन लेते हैं। बड़बड़ाती हुई भारती देवी दरवाजा खोलती हैं। आजा बेटी, आ गई। कुछ काम हुआ? नहीं नानी जी, दुनियाँ में कोई काम ही नहीं बचा है मेरे लिए। फाइल एक ओर रखते हुए संस्कृति ने कहा। निराश मत हो बेटी, भगवान जरूर बेडा पार लगाएगा। क्या हुआ भाग्यवान! कोई काम मिला? आर्यबाबू ने पूछा। नहीं जी। पता नहीं कब तक परेशान होती रहेगी बेचारी। भारती देवी आह भरती हुई बोलीं। मैनें तो हिन्दी से कितनी बार कहा कि कोई अच्छा सा लड़का देखकर इसकी शादी कर दे। लेकिन मेरी कोई सुने तब तो। अरे आजकल लड़कियों के काम करने लायक जमाना नहीं रहा। जब देखो एक ही रट अपने पैरों पर खड़ी होगी। लड़की जात है कहीं कोई ऊँच-नीच हुई तो फिर हम क्या करेंगे? अब हमारा जमाना तो रहा नहीं.....आर्य बाबू अपनी लय में बोले जा रहे थे। जमाना तो आपका भी कुछ खास नहीं था। स्त्रियां तो हमेशा दासी बनकर ही रही हैं। बीच में टोकते हुए भारती देवी ने कहा, कहने को भले ही कोई कह ले कि हमारे जमाने में स्त्रियां पूजी जाती थीं। लेकिन कभी भी उसे फूल और अगरबत्तियां नहीं चढ़ाई गई। स्त्रियों की दुर्दशा तब भी थी और अब भी है। अब अगर कोई इन पुरूषों के समाज में अपने लिए

थोड़ी-सी जगह ढूँढ रही हैं तो इसमें बुराई क्या है? मैने ऐसा तो नहीं कहा आर्य बाबू सकपकाए। टिंग-डिंग तभी डोरबेल बज उठी। देखो जरा कौन है? लगता है हिन्दी बच्चों को पढ़ाकर आ गई। आर्य बाबू ने अपनी जान छुड़ाई। भारती देवी दरवाजा खोलती है। तू भी हाथ-मुँह धोकर आ जा। गंगिया (नौकरानी) खाना बना गई है। सभी एक साथ बैठकर ही खा लेते हैं। थोड़ी देर में ही सभी आ जाते हैं। खाना खाने के बाद संस्कृति और आर्य बाबू अपने कमरे में चले जाते हैं। भारती देवी और हिन्दी मिश्रा दोनों एक पलंग पर ही सोती हैं। भारती देवी लेटी हैं और हिन्दी उनके पैर दबा रही है। क्या बात है बेटी क्या सोंच रही है? हिन्दी को चुप देखकर भारती देवी बोलीं। कुछ नहीं माँ, बस यही सोच रही हूँ कि अपना भाग्य भी कैसा है! देश के कर्णधार के संग ब्याही गई थी। इनका भाषण तो वही रहा पर समय के साथ खुद को बुरी तरह बदलते चले गए। जब नई-नई शादी हुई थी तो हिन्दी के संग जीने-मरने की कसमें खाते थे और आज परदेश की बेहया चीज उठा लाए हैं मेरी सौत बनाकर। हिन्दी की आँखें भर आई थीं। फिर गहरी सांस लेकर कहा और अब अपनी संस्कृति दर-ब-दर की ठोकरें खा रही है। पता नहीं कब कोई ठिकाना मिलेगा। धीरज रखो बेटी। ऊपर वाले के घर देर है अंधेर नहीं। वह जरूर कुछ अच्छा ही करेगा। भारती देवी ने छत की तरफ देखते हुए कहा जमाने के साथ तो सबको चलना पड़ता है बेटी। सभ्यता का बदलाव तो सृष्टि का नियम ही है। अब देखो अपना भारत कब इंडिया बन गया कुछ पता ही नहीं चला। समय की चाल के साथ, शायद हमारी गति ही धीमी पड़ गई है और जिसकी चाल तेज है आज वह सफल है। खैर! छोड़ो इन बातों को अब सो जाओ।

दोनों करवट लेकर लेट जाती हैं। सुबह से शाम होती है हर दिन। संस्कृति की खोज जारी है, अद्द एक रोजगार की। और रोजगार है कि न मिलने का कोई न कोई बहाना ढूँढ ही लेता है, अनुभव की कमी, डिप्लोमा की कमी आदि। एक रोज। संस्कृति दफ्तर से निकलने के बाद धीमे-धीमे कदमों से आगे बढ़ रही थी। सुनो बेटी संस्कृति ने पीछे मुड़कर देखा। बूढ़े गार्ड ने इशारे से उसे समीप बुलाया। पास रखी कुर्सी की तरफ देखकर बोला बैठो। संस्कृति यंत्रवत् कुर्सी पर बैठ गई। क्या नाम है तुम्हारा। जी संस्कृति मिश्रा। वाह बड़ा ही अच्छा नाम है। अब ऐसे नाम कहां मिलते हैं। बूढ़ा प्रभावित हुआ काम के लिए आई थीं? कुछ मिला? उसने अपनेपन से पूछा। नहीं। अब तक तो नहीं मिला। संस्कृति ने सिर झुकाए कहा। कहाँ तक पढ़ी लिखी हो? स्नातक हिन्दी से। पहले कहीं काम किया है? नहीं। ये तो बोलना ही नहीं है कि काम नहीं किया। बोलना है कि काम किया है। संस्कृति ने चौंककर बूढ़े की तरफ देखा क्या? हाँ। ऐसे तो काम मिलने से रहा। रिटायर्ड फौजी हूँ। यहाँ काम करते भी बीस बरस हो गए। यह सब झूठ तो बोलना पड़ेगा। लेकिन झूठ.....। अरे, जब मै बोल रहा हूँ तो तुम्हें बोलने में क्या हर्ज है, यहाँ तो इसी का कारोबार चलता है। आदमी कहता कुछ है, करता कुछ और है। जो जितना बोल पाता है उतने पैसे कमाता है। तुम भी खुद को जितना बदल सकती हो बदल लो। जब भी किसी से बात करो तो आँखों में आँखें डालकर बात करो, ताकि सामने वाले को सिर्फ तुम्हारी अच्छाई नजर आए, कमजोरी नहीं। अपने आपको हमेशा इक्कीस साबित करो। हाँ, एक जमाना था, जब लाज और शर्म को स्त्रियों का गहना कहा जाता था लेकिन आज जो जितनी दबंग और खुले विचारों की है, उतनी ही अधिक सुखी है। इसलिए खुद में आत्मविश्वास पैदा करो, समय के साथ चलना सीखो आगे भगवान की मर्जी। संस्कृति को आशा की एक किरण दिखाई दी। शायद सफलता पास ही हो! वह उठते हुए बोली अच्छा चाचाजी चलती हूँ नमस्ते। अगली सुबह। सूरज की किरणें कुछ ज्यादा ही तीक्ष्ण हैं। हर कोई अपने काम पर जल्द से जल्द पहुँचना चाहता है। कल स्वतंत्रता दिवस है। सड़कों पर झंडे लगाने वाले, बेचने वाले और कुछेक खरीदने वालों की भीड़ है। दुकानों में राष्ट्रीय गीतों के रिकार्ड बज रहे हैं। एक युवती एक बड़े दफ्तर की सीढ़ियाँ चढ़ रही हैं। अत्याधुनिक जींस, टी-शर्ट, हाई-हील्स की चप्पलें, सुन्दर-सा बैग, खुले बाल, आँखों पर रंगीन चश्मा, होठों पर हल्की मुस्कान बिल्कुल रजत-पट की तारिकाओं जैसी। मंत्रमुग्ध गार्ड ने बगैर कुछ पूछे अभिवादन के साथ दरवाजा खोल दिया। वह अंदर जाकर सीधे मालिक के केबिन का द्वार खोलती हुई बोली मे आइ कम इन प्लीज। यस भीतर से अट्ठाइस वर्षीय युवक ने कहा। वह दरवाजे से भीतर आई। थोड़ी देर बाद वह बोला सिट डाउन प्लीज। युवती बैठते हुए मुस्कुराकर बोली हैलो सर आइ एम संस्कृति मिश्रा। मुझे पता चला कि आपके यहाँ कोई वेकेन्सी है? हाँ, बिल्कुल। मेरे यहाँ एक जगह खाली है, रिसैप्शनिस्ट की। क्या आप यह जॉब करना चाहती हैं? ऑफकोर्स। मयूर शेरेटन होटल तो आप जानते हैं पहले मैं वहीं थी। ओह! तो वहाँ क्यों छोड़ दिया? वह घर से दूर पड़ता था इसलिए। ओह नो आर यू फूल? नोर सर आइ एम ब्यूटीफुल। राइट? कमाल है! ऐसा करो आप कल से काम पर आ जाओ। ओके! वह मुस्कुराई थैंक्यू सर। योर वेलकम। वह उठी और केबिन से बाहर आ गई। उसकी मुस्कान अब गहरी होती जा रही थी। युवक उसे बाहर जाते देखता रहा। बिना पलक झपके। वह गेट से बाहर आ गई। सीढ़ियों से उतरते-उतरते वह खिलखिला कर हँस पड़ी थी। कुछ लोग उसे आश्चर्य से देखने लगे। पर उसे किसी की परवाह नहीं थी। वह हँस रही थी, हँसती ही जा रही थी। पूरी व्यवस्था पर, माँ भारती की हिन्दी पर या अपने आप पर, बदली हुई संस्कृति पर। पास की दुकान में रिकार्ड बज रहा था। हिन्दी हैं हम वतन है हिंदोस्तां हमारा.....।

(समाप्त)

जीवनभर के लिए मासूम बच्चों को न होने दें सुनने और बोलने में अक्षम

एसआरएमएस में निशुल्क कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी

- राज्य सरकार ने भी एसआरएमएस मेडिकल कालेज को पैनल में किया शामिल
- पैदा होते ही नवजात बच्चे की होती है सुनने और बोलने की क्षमता की भी जांच
- कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी के लिए एसआरएमएस में हैं सक्षम चिकित्सकों की टीम

बरेली: केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम के लिए अपने पैनल में शामिल किया है। यह सर्जरी क्यों जरूरी है और सरकार इसके लिए क्यों चिंतित है इस पर आज बात करते हैं एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ईएनटी एंड एचएनएस विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा.रोहित शर्मा से।

डॉ. रोहित शर्मा

सवाल- कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी क्या है?

डा.रोहित- हमारे कान के अंदरूनी हिस्से को काक्लिया कहते हैं। इसमें हजारों कोशिकाएं होती हैं। जो ध्वनि तंरगों को इलेक्ट्रिकल सिंग्नल में बदलती हैं। इन्हीं इलेक्ट्रिकल सिंग्नल को बाद में श्रव्य तंत्रिकाओं द्वारा प्राप्त किया जाता है, जो संदेश को दिमाग तक पहुंचाती है। काक्लिया के खराब होने पर सुनने और बोलने की क्षमता प्रभावित होती है। इसका इलाज काक्लियर इंप्लांट सर्जरी से करते हैं। इसमें सर्जरी से कान के अंदरूनी हिस्से काक्लिया में इलेक्ट्राशनिक उपकरण इंप्लांट किया जाता है।

सवाल- क्या कोक्लियर इंप्लांट सुनने की मशीन है?

डा.रोहित- काक्लियर इंप्लाट कोई सुनने की मशीन नहीं है, जो आवाज़ को तेज सुनने में सहायता करे। बल्कि यह सीधे तौर पर व्यक्ति के शरीर में मौजूद सुनने वाली तंत्रिकाओं पर प्रभाव डालता है, जिससे सुनने की परेशानी का हल हो सके।

सवाल- कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी क्यों की जाती है?

डा.रोहित- यह काफी महंगी सर्जरी है। ऐसे में आवाज को बेहतर तरीके से सुनने वाले सारे इलाज असफल होने की स्थिति में इसका उपयोग किया जाता है। यह सर्जरी उन मूक बधिर बच्चों के कानों में करने की जरूरत पड़ती है जो सुनने में पैदायशी अक्षम हों या बाद में किसी वजह से सामान्यत: सुनने में सक्षम न हों।

सवाल- कैसे पता करें कि बच्चा सुनने और बोलने में अक्षम है ?

डा.रोहित- बच्चा पैदा होने के तुरंत बाद होने वाली जांचों में आसानी से इसका पता चल जाता है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में जन्म लेने वाले हर बच्चे की अन्य सामान्य जांचों के साथ सुनने और बोलने की क्षमता की भी जांच की जाती है। जांच में सुनने और बोलने में अक्षम होने की पुष्टि होने पर यह जानकारी संबंधित बच्चे के परिजनों को दी जाती है।

सवाल- कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी को किस उम्र में कराया जा सकता है ?

डा.रोहित- सुनने और बोलने में अक्षमता की जानकारी मिलने के बाद कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी शीघ्रता शीघ्र करवानी चाहिए। इससे आपरेशन की सफलता बढ़ती है। उम्र बढ़ने के साथ इसकी सफलता की दर कम हो जाती है।

सवाल- इस सर्जरी की सफलता दर कितनी है ?

डा.रोहित- कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी को दुनिया की सबसे बेहतरीन प्रक्रिया माना जाता है। इसकी सफलता की दर 99.5 फीसद से ज्यादा है। 0.5% से भी कम लोगों में यह असफल साबित होती है। इसे कान संबंधी समस्याओं का इलाज करने का बेहतरीन तरीका कहा जा सकता है।

सवाल- क्या यह मुश्किल सर्जरी है?

डा.रोहित- कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी मुश्किल सर्जरी है, जिसे काफी सावधानी से किया जाता है। इस सर्जरी को शुरू करने से लगभग दो घंटे पहले इसे कराने वाले व्यक्ति के कान में ऐनेस्थीसिया डाला जाता है, ताकि इस सर्जरी के दौरान उसे किसी तरह का दर्द महसूस न हो।

सवाल- इस सर्जरी से पूरी तरह से ठीक होने में कितना समय लगता है?

डा.रोहित- इस सर्जरी के बाद का समय काफी संवेदनशील होता है। डाक्टर इसे कराने वाले लोगों को 3-6 हफ्तों तक आराम करने की सलाह देते हैं।

सवाल- कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी पर कितना खर्च आता है ?

डा.रोहित- यह काफी महंगी सर्जरी है। इसमें लगने वाली डिवाइस (इलेक्ट्रोड) की कीमत ही पांच लाख से 20 लाख तक होती है। पिछले कई वर्षों से एसआरएमएस ट्रस्ट प्रति वर्ष दो बच्चों की सर्जरी करा रहा था। इसमें आपरेशन से लेकर डिवाइस और दवाइयों तक का खर्च एसआरएमएस ट्रस्ट ही वहन करता है। महंगी सर्जरी होने से हम दो से ज्यादा जरूरतमंद बच्चों का आपरेशन नहीं कर पा रहे हैं। अब सरकार ने इसमें मदद की सहमति दी है और एसआरएमएस मेडिकल कालेज को अपने पैनल में शामिल किया है।

सवाल- पैनल में शामिल होने से क्या फ्री में होगी यह सर्जरी ?

डा.रोहित- जी बिल्कुल। जनवरी 2021 में ही केंद्र और सितंबर में राज्य सरकार ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम के लिए अपने पैनल में शामिल किया है। अब यहां होने वाले बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी का सारा खर्च सरकारों द्वारा उठाया जाएगा। हम जरूरतमंद पांच वर्ष से कम उम्र के ज्यादा से ज्यादा बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी फ्री में करने में सक्षम हैं।

सवाल- कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी कराने के लिए क्या प्रक्रिया है ?

डा.रोहित- एसआरएमएस में आकर बच्चे की जांच करवाना ही जरूरी है। जांच के बाद सारी रिपोर्ट यहीं से स्वास्थ्य विभाग के जरिये जिला प्रशासन और सरकार को भेजी जाएंगी। सरकार से अनुमति के बाद सर्जरी की डेट निर्धारित कर आपरेशन कर दिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में अस्पताल आने जाने के सिवाय कोई भी पैसा खर्च नहीं होना है।

डॉ. शशि बाला आर्या, एसआरएमएस आईएमएस

फर्टिलिटी सोसायटी की नेशनल वर्कशाप में कंवीनर

इंडियन फर्टिलिटी सोसायटी की ओर से पिछले वर्ष फर्टी विजन 2021 नाम से फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन पर वर्कशाप आयोजित की गई। इसके तहत अलग अलग स्थानों पर 12 वर्कशाप हुई। इससे संबद्ध चार और पांच दिसंबर को आयोजित दो दिवसीय वर्कशाप का आयोजन संयुक्त रूप से एसआरएमएस मेडिकल कालेज और दिल्ली स्थित एम्स ने किया। कंवीनर के रूप में इसकी जिम्मेदारी स्त्री और प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डा.शशिबाला (एसआरएमएस) और डा.अनुभा (एम्स) ने निभाई। वर्कशाप में प्रेग्नेंसी केयर आफ्टर आईवीएफ प्रोसीजर पर रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए। इसमें दो सौ डेलीगेट्स ने अपने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए। डा. शशिबाला के अनुसार एम्स के साथ संयुक्त रूप से कार्यक्रम की जिम्मेदारी मिलना और सफलता से आयोजन बड़ा अचीवमेंट है।

डॉ. दीप पंत, एसआरएमएस आईएमएस

नेशनल कांफ्रेंस में हार्टफेल रोकथाम पर आर्टिकल

कार्डियोलाजिकल सोसायटी आफ इंडिया देश में कार्डियोलाजिस्ट की एकमात्र रजिस्टर्ड संस्था है। यह हार्ट संबंधी रिसर्च को प्रकाशित करने के साथ साथ उपचार में आने वाले बदलावों की जानकारी देती रहती है। पिछले महीने इसकी ओर से 73वीं वार्षिक कांफ्रेंस पर रिसर्च बुक प्रकाशित की गई। इसमें देश के नामचीन कार्डियोलाजिस्ट के आर्टिकल शामिल किए गए। इसमें एसआरएमएस मेडिकल कालेज के कार्डियोलाजिस्ट डा.दीप पंत का भी एक आर्टिकल प्रकाशित हुआ। हार्ट फेल रोकने में एसजीएलटी टू, पहेली, मिथ और वास्तविकता नाम से इस आर्टिकल में उन्होंने मुख्यत: डायबिटीज की रोकथाम में इस्तेमाल की जाने वाली दवा एसजीएलटी टू का उल्लेख किया और हार्ट फेल रोकने में इसकी भूमिका को बेहद कारगर बताया।

73rd Annual Conference of Cardiological Society of India
CSI2021 Hyderabad

SGLT2 Inhibitors in Heart Failure: The Enigma, The Myth and Reality

Sodium-glucose cotransporter 2 (SGLT2) inhibitors have repeatedly been shown to improve CV outcomes regardless of diabetes status, including the risk of hospitalization for heart failure (HHF), CV death and all-cause mortality.

These agents have been found to have a key role in reducing major adverse CV outcomes and HHF in patients both with and without diabetes. Some of the benefits observed in patients with HF could be attributed to the promotion of natriuresis and osmotic diuresis by these agents.

Dr Deep Pant
Bareilly

SGLT2 inhibitors decrease blood pressure without causing an increase in the heart rate and thus improve the myocardial workload. They also improve insulin sensitivity and glycemic control. By causing a reduction in insulin requirement, SGLT2 inhibitors promote weight loss, thus contributing to reduction in blood pressure.

डॉ. रोहित शर्मा, एसआरएमएस आईएमएस

अंतरराष्ट्रीय बुक में ओरल कैंसर पर आर्टिकल

इंटरनेशनल पब्लिशर टेलर एंड फ्रांसिस की ओर से हेड एंड नेक ट्यूमर्स पर एक बुक प्रकाशित की गई है। सर्जरी के विद्यार्थियों के लिए आपरेटिव सर्जरी फार हेड एंड नेक ट्यूमर्स नाम से प्रकाशित इस बुक में ट्यूमर्स के बारे में विस्तृत चैप्टर दिए गए हैं। 16 अध्याय की इस बुक में ओरल कैंसर सर्जरी पर एक चैप्टर डा.रोहित शर्मा का भी है। डा.रोहित एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ईएनटी एंड एचएनएस में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष हैं। डा.रोहित के अनुसार दुनिया के अलग अलग मुल्कों में सर्जरी सीख रहे सभी विद्यार्थियों के लिए यह बुक फायदेमंद है। इसीलिए इसे सभी देशों में रिलीज किया गया है। 1852 में स्थापित युनाइटेड किंगडम के टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप ने इसे प्रकाशित किया है। इनकी ओर से ज्यादातर मेडिकल, इंजीनियरिंग, टेक्नालाजी पर बुक प्रकाशित की जाती हैं।

रेडियोथेरेपी के स्टेट चैप्टर में एसआरएमएस को दो गोल्ड सहित चार मेडल

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में होगी 33वीं स्टेट चैप्टर कांफ्रेंस

बरेली: आगरा के एसएन मेडिकल कालेज में पिछले महीने 18 और 19 दिसंबर को आयोजित 32वीं यूपीएआरओआई कांफ्रेंस 2020 में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के फैकेल्टी और रेजिडेंट डाक्टटर सहित चार ने मेडल हासिल किए। इसमें दो गोल्ड मेडल और दो सिल्वर मेडल शामिल हैं। यह जानकारी एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रेडिएशन ओंकोलाजी विभागाध्यक्ष डा.पियूष अग्रवाल ने दी। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन आफ रेडिएशन ओंकोलाजिस्ट आफ इंडिया के यूपी चौप्टर की यह दो दिवसीय कांफ्रेंस पिछले वर्ष होनी थी, लेकिन कोविड प्रोटोकाल से इसे स्थगित कर दिया गया था।एसोसिएशन ने अगली 33वीं स्टेट चौप्टर कांफ्रेंस की मेजबानी की जिम्मेदारी एसआरएमएस मेडिकल कालेज को प्रदान की है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज इसे अगले वर्ष अक्टूबर माह में आयोजित करेगा। इससे पहले भी 2014 में एसआरएमएस मेडिकल कालेज यह स्टेट लेबल कांफ्रेंस करवा चुका है। जिसमें देश विदेश से कैंसर विशेषज्ञों ने गेस्ट लेक्चर प्रस्तुत किए थे। जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली थी। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी और मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी ने भी सभी प्रतिभागियों को बधाई के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डिपार्टमेंट आफ ओंकोलाजी में प्रतियोगियों के लिए आयोजित स्वागत समारोह में डा.पियूष ने कहा कि आगरा में आयोजित 32वीं यूपी स्टेट कांफ्रेंस में एसआरएमएस मेडिकल कालेज से दस लोगों की टीम ने हिस्सा लिया था। जिसे ओकोंलाजिस्ट डा.पवन कुमार मेहरोत्रा ने लीड किया था। इस कांफ्रेंस में एसआरएमएस की डा.रशिका सचान ने मौखिक पेपर प्रस्तुति में गोल्ड मेडल के साथ युवा संकाय पुरस्कार हासिल किया। जबकि डा. हिमांशी खट्टर ने बेस्ट पेपर ओरल प्रेजेंटेशन के लिए रेजिडेंट अवार्ड कैटेगरी में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के मुथु कुमार ने मौखिक पेपर प्रस्तुति में मेडिकल भौतिक विज्ञानी इंटर्न श्रेणी में गोल्ड मेडल और फाजिलथुन्निसा ने मौखिक पेपर प्रस्तुति में मेडिकल फिजिसिस्ट इंटर्न श्रेणी में सिल्वर मेडल हासिल किया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ओंकोलाजिस्ट डा.पवन कुमार मेहरोत्रा को भी स्टेट कांफ्रेंस में सम्मानित किया गया। स्टेट कांफ्रेंस में एसआरएमएस और विभाग का नाम रोशन करने पर सभी को बधाई। इस मौके पर विभाग डा. अरविंद कुमार चौहान, डा.पवन मेहरोत्रा, डा.आयुष गर्ग, डा.रसिका सचान, डा. शुभांशु गुप्ता, इंटर्न, पीजी स्टूडेंट सहित टेक्निकल स्टाफ मौजूद रहा।

NEW EMPLOYEE

PROF. (DR.) NITIN SHARMA
Director
Department of Pharmacy
SRMSCET, Bareilly

DR.TANMAY AGRAWAL
Asst. Professor
Consultant Cardiologist
D.M. (Cardiology)
General Medicine
SRMS IMS, Bareilly

DR. NAMRATA
Asst. Professor
Interventional Radiologist
MD (Radiodignosis)
Radiodiagnosis
SRMS IMS, Bareilly

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में संबद्ध होने वाले सभी नए एवं पदोन्नत साथियों को **बधाई एवं शुभकामनाएं ...**

Crosswords No. 20

HORIZONTAL

1. National bird of USA
3. National animal of Bangladesh
5. National animal of Finland
7. National animal of Srilanka
9. National animal of USA
11. National animal of Brunei
13. National animal of China
15. National animal of Tanzania
17. National animal of Spain

VERTICAL

2. National animal of Australia
4. National animal of Thailand
6. National animal of Barbuda
8. National animal of Newzealand
10. National animal of Algeria
12. National animal of Afghanisthan
14. National animal of Iraq
16. National animal of Nepal
18. National animal of Estonia

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 20

4		2			6			5
				9			2	
6				1		7		
8		7	2		3		9	
					1	5		6
		1	8				7	
	2			3				7
9		6			7		5	
	7		6			9		

Answer: Crosswords No. 19

4	8	9	2	1	5	7	3	6
1	2	6	3	9	7	5	8	4
5	3	7	8	6	4	9	2	1
2	5	8	9	3	1	6	4	7
6	9	3	4	7	8	2	1	5
7	4	1	5	2	6	8	9	3
8	7	2	6	4	3	1	5	9
3	1	5	7	8	9	4	6	2
9	6	4	1	5	2	3	7	8

Answer: Soduko No. 19

आरएमए ने हस्तियों को दिए एचिवर अवार्ड

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। रुहेलखंड मैनेजमेंट एसोसिएशन की ओर से शनिवार शाम स्टेशन रोड स्थित एक होटल में आयोजित अवार्ड समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले लोगों और संस्थानों को आरएमए एचिवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समारोह में आरएमए सदस्य शिरीष मेहरोत्रा को उप्र बार

शिरीष मेहरोत्रा, आशीष खंडेलवाल, आदित्य मूर्ति, विनेश गोयल सम्मानित

साउथ एशिया के हेड राहुल जौहरी ने कहा, जिले में उद्यमिता और रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उद्यमी घनश्याम खंडेलवाल ने

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में तंबाकू सेवन न करने की दिलाई शपथ

बरेली। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज परिसर में कैंसर विभाग की ओर से

पर आयोजित कार्यक्रम में

एसआरएमएस में विश्व हृदय दिवस पर मरीजों को दी गई दिल को स्वस्थ रखने की जानकारी

फलों और सब्जियों की सतह पर 80 फीसद प्रदूषण

जागरण संवाददाता, बरेली: ताजे और मौसमी फलों का प्रतिदिन सेवन करना दिल के लिए अच्छा है। पहले इन्हें आधा घंटा नमक पानी में डालकर रखें। विश्व हृदय दिवस पर बुधवार को एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशेषज्ञ डा.अमरेश

विश्व हृदय दिवस

विशेषज्ञों ने संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद व व्यायाम को बताया जरूरी, फसलों में कीटनाशक का प्रयोग खतरनाक

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद शुरू हुआ वैक्सीनेशन

एसआरएमएस कॉलेज में स्टेट लेवल टेकफेस्ट के विजेता पुरस्कृत

ी। एसआरएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में

म एंड इंजीनियरिंग विभाग ने शुक्रवार को स्टेट लेवल टे

सहूलियत डिवाइस की कीमत ही पांच लाख से 20 लाख तक होती है

अब एसआरएमएस में फ्री हो सकेगी मूक बधिर बच्चों की सर्जरी

प्रदेश के इनपेलन्ट हॉस्पिटल में बरेली के एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज हुआ शामिल

मूक बधिर बच्चों की सर्जरी के लिए सर्वर सेट किया जाता वो रेफर

हर साल दो बच्चों की फ्री सर्जरी

इनपेलन्ट हॉस्पिटल में मेडिकल कॉलेज

bareilly@inext.co.i

BAREILLY (23 Sep

मंडल के लि

ए मूक बधि

सर हायर से

होंगी, जो हो

ुर्ति स्थान

इनपेलन्ट

रवा है, 5

वेक्सिन अ

इनपेलन्ट अस

'नजरिया' ने चित्रकारों को दिया नया मुकाम

रणी शुक्ला को मिला

ान

एसआरएमएस ने कोरोना काल में निभाई अहम भूमिका

.in

19 Sept

जागरण संवाददाता, बरेली: किडिकल

एसआरएमएस कॉलेज के दो गोल्ड सहित चार मेडल

बरेली। आरएमए के एसआर मेडिकल कॉलेज में आयोजित 32वीं एनएमआरओई कॉन्फ्रेंस 2020 में एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के फैकल्टी और रेजिडेंट डॉक्टर्स शामिल थे। इसमें दो गोल्ड मेडल और दो सिल्वर मेडल शामिल हैं। यह जानकारी

इसमें पहली बार 2014 में एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज यह मेडल लेकर आया था। विजयी टीम विशेष के बेस्ट

मेडिसिन के लिए रेजिडेंट अन्ना बेटेरी ने सिल्वर मेडल जीता। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के मुनु कुमार ने मेडिसिन

मरीजों के लिए दवाओं संग पौष्टिक तत्व भी जरूरी

सम्मानित करते विशेषज्ञ • सौ. एसआरएमएस

मरीजों गंभीर मरीजों

सेक्रेटरी डा.ललित सिंह ने आयोजन को यादगार बनाया और अतिथियों व

एसआरएमएम कॉलेज के 80 बीटेक छात्र-छात्राओं का विप्रो टेक्नोलॉजीस में चयन

बरेली। विप्रो टेक्नोलॉजीस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉ

अभिनेता मुकुल नाग ने दिए रिद्धिमा में अभिनय के टिप्स

24 स्पर्धाओं में 800 छात्रों ने किया प्रतिभाग

आस, बरेली : एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी संस्थानों के 800 विद्यार्थियों की 120 टीमों ने 24 स्पर्धाओं में एक दिवसीय सालाना सांस्कृतिक कार्यक्रम जेस्ट अरोहन प्रतिस्पर्धा में भाग लिया। छात्रों को ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने जिंदगी के संघर्षों में कामयाबी के टिप्स भी दिए। पिछले दिनों आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता हुंकार के विजेताओं को चेयरमैन ने पुरस्कृत किया। जिसमें एसआरएमएस सोसीटी को पीपिलन को दूसरी दी गई। सोसीटी के निर्मित बुधवार नदीय की परसीन और को बेस्ट प्लेयर चुन गया।

तकनीकी संस्थान के श्री राममूर्ति स्मारक प्रेक्षागृह में शनिवार को जेस्ट 2021 अरोहन का आयोजन हुआ। यह सांस्कृतिक वार्षिक महोत्सव

एसआरएमएस में होगा दूसरा पोस्टमार्टम हाउस

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। श्री राममूर्ति मेडिकल कॉलेज के

एफएमएन के डिप्टी डायरेक्टर समेत टीम ने किया निरीक्षण

पॉल्यूशन कम करने में मददगार है इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग

BAREILLY (26 June): बीएम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग

डॉक्टर, विश्वरूपमाथ डॉ. अनिलोक ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों को

रोमांचक क्रिकेट मैच में जीती एसआरएमएस की टीम

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला ने किया वर्चुअल वर्कशाप का उद्घाटन

बरेली, 23 अक्टूबर (तरुणमित्र)। वर्ल्ड कांफ्रेंस आन

विशेषज्ञों ने बताया कि विश्व ने मुश्किल दौर कई दशकों से नहीं

रिद्धिमा की छात्रा साक्षी जोन स्तर पर प्रथम विजेता

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा की छात्रा साक्षी सक्सेना ने सोमवार को आईएमए हॉल बरेली में

जेस्ट में जोश और जुनून की होड़

अमर विचार, बरेली

टेलीमेडिसिन सेंटर में मरीजों को किया गया जागरूक

उदय भूमि संवाद

बरेली। विश्व क्षय दिवस पर बुधवार को एसआरएमएस मेडिकल कालेज की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर टीबी के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। एसआरएमएस

एसआरएमएस में मनाई देव दिवाली

एसआरएमएस की अदिति के प्रजेंटेशन को दूसरा स्थान

बरेली। एसआरएमएस कालेज आफइंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी (सीईटी) में आईटी ब्रांच में बीटेक की प्रथम वर्ष की छात्रा अदिति मल्होत्रा के प्रजेंटेशन को एकेटीयू ने दूसरा स्थान दिया है।

यह प्रजेंटेशन अस्पतालों में आक्सीजन वेस्टेज, लीकेज और लॉस

With Best Compliments

Happy New Year 2022

SRMS

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST

Bareilly • Lucknow • Unnao

भरतनाट्यम नृत्य से पावन हुआ रिद्धिमा का मंच

विश्व प्रख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना कनका व अपराजिता ने दिखाई प्रतिभा

बरेली (आज समाचार सेवा)। एसआरएमएस रिद्धिमा में आज दक्षिण भारत की नृत्य कला भरतनाट्यम को विश्व विख्यात नृत्यांगना स्वामी विवेकानंद पुरस्कार से सम्मानित कनका सुधाकर और उनकी बेटी अपराजिता सुधाकर ने प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत रिद्धिमा गुरु अम्बाली प्रहराज ने गोवर्धन गिरिधारी तुम बिन मेरी कौन खबर ले भजन पर भरतनाट्यम नृत्य कर सभागार में मौजूद दर्शकों को खूब तालियां बटोरीं। इसके बाद अपराजिता सुधाकर द्वारा पहली प्रस्तुति गणपति को समर्पित रही। इसी कड़ी में आगे अपाजिता सुधाकर ने सावन की पहली बारिश में मयूर द्वारा प्रकट करने वाली खुशी को भरतनाट्यम नृत्य से प्रस्तुत किया। इसके बाद विश्व विख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना कनका सुधाकर ने पलन इन राग कपिल पर नृत्य प्रस्तुत किया। आगे कनका सुधाकर एवं अपराजिता सुधाकर द्वारा आभोगि, राग नवावती, ताल आदि, नव रस, कृष्ण कर्णमयम के माध्यम से भगवान कृष्ण के वात्सल्य, शोषनाग वध और रासलीलाओं को भरतनाट्यम नृत्य द्वारा प्रस्तुत कर सभागार को कृष्ण रस में रंग दिया। कार्यक्रम के अंत में मां सरस्वती को समर्पित शिक्षान नृत्य अपराजिता सुधाकर ने प्रस्तुत कर सभागार में मौजूद लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार ने किया। कार्यक्रम नृत्यांगना क

के अंत में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति ने भरतनाट्यम अपराजिता सुधाकर को सम्मानित किया। इस मौके पर एसआरएमएस ऋचा मूर्ति और शहर के सम्भ्रांत लोग सभागार में मौजूद रहे।

कुशल नीतिकार जयंत कृष्णा व उस्ताद शाकिर अली प्रतिभा अंलकरण से सम्मानित